Piercing

Piercing :- Piercing teachinigues for nose and ears

Piercing History

कान छिदवाना और नाक छिदवाना विशेष रूप से व्यापक हैं। और ऐतिहासिक अभिलेखों में अच्छी तरह से दर्शाया गया है।

अब तक खोजे गये सबसे पुराने 5000 वर्ष से भी पहले इस प्रथा का अस्तित्व है।

अफ्रिकी और अमेरिकी जनजातीय संस्कृतियों में ऐतिहासिक रूप से होंठ और जीभ छिदवाये जाते थे।

प्राचीन रोम में नाभि में छेद करवाया जाता था। पश्चिमी संस्कृति में शरीर भेदी की प्रथा समाप्त हो गई हैं। नाक छिदवाना कार्टिलेज को पंच करना शामिल हैं। जिसे नोज, रिंग, पिन etc पहन सके।

Type of Nose Piercing

1. Septum Piercing - सेप्टस
2. Nostril Piercing - नथुने
3. High nostril Piercing - उच्च नथुने
4. Vertical tip Piercing - उत्कृष्ट टिप
5. Bridy of Surface Piercing - पुल या सतह
6. Septril Piercing - सेप्टील पियर्सिंग

नाक छिदवाने में संवेदनशील व आंतरिक त्वचा शामिल होती हैं। यह काफी दर्दनाक होता हैं। इसलिये उच्च गुणवता वाले Pin Pircer से ही नाक छिदवाना चाहिये।

* Process of Nose Piercing :-

* Clean → एक Piercing colon सुरक्षित होना चाहिये जो Guarantee से Piering करें।
- नाक के संपर्क में आने वाली कोई भी चीज सीलबंद से बाध आनी चाहिये।
- बैग और डिस्पोजेबल का use करें।

* संक्रमण :- भेदी को सबसे पहले sterile gloves पहनने चाहिए।
- Pierins करने से पहले एक spos सुनिश्चित करें कि छेद कहां करवाना है

* Marking :- यदि क्लाइंट सिफारिस करता है कि उसे छेद कहीं और करवाना है तो उसे कन्सल्ट करें। सुनिश्चित करें और क्लाइंट को विचार बदलने का आखरी मोका दें।

* Needle Piercing :→ सबसे safest Piercing पारम्परिक रूप से इस्तेमाल करने वाला tool hallow Needle रहा है।

* Gun Piercing :→ इसमें Hallow Needer Clean होती है। इससे सूजन होने की संभावना होती है।

Note :- इसमें Piercing gun से Tissue damage दे सकता है। और Pain हो सकता है। और Pain हो सकता है।
अत: नाक में छेद करवाने में दर्द होता है।

Nose Piercing After care

- नाक छिदवाने के लिये देखभाल आवश्यक है। नाक में होने वाले संक्रामक से बचने के लिये उपचार आवश्यक है।

After care Begins the day of Piercing :- Piercing वाली जगह को touch करने से पहले हाथों को अच्छे से धो ले।

- क्लब syring या कॉटन बॉल का use करके Piercing एरिया के आस-पास saline solution को लगाये आप कुछ मिनट के लिये solution में डिप करें।

- इस solution को Piercing studio से ही खरीदें। 1/4 से 1/8 छोटा चम्मच (0.74 to 1.42 grams) non Iodized (Iodine free) sea salt को 250 ml गर्म पानी में मिलाकर बंद बोतल में रखें। साफ डिस्पोजल use करें।

- यदि आपकी तैलीय त्वचा है तो आप कॉटन पैड का use करें।
- नाक को धीरे - धीरे पोंछें।
- hydrated और अच्छी diet लेने से Nose जल्दी Heal होती है।

* Nose Piercing Bump - Effect :- कभी - कभी नाक छिदवाने से गांठ भी पड़ सकती है। इसके कई कारण हैं।

1. Bad after care Products
2. Use Inappropriate Piercing Instruments like Piercing gun
3. Accidentally Dumping
4. Allergic reactions, mild Infection
5. Infect nose Ring / Pins
6. Redness
7. Painful, Irritation

Healt care Provider can determine if you have an Infection and help you treat in Properly.

* Ear Piercing :-

Type of Ear Piercing

1. Industrial Piercing
2. Ear lobe Piercing
3. Cartiloy Piercing
4. Helix Piercing
5. Forward Helix Piercing
6. Daith Piercing
7. Tragus Piercing
8. shug Piercing
9. Transverse lobe Piercing
10. Orbital Piercing
11. Anti Tragus piercing
12. Conch Piercing

(13) Rook Piercing
(14) Top Ear Piercing
(15) 3 Ear Piercing
(16) Double Ear Piercing
(17) Full Ear Piercing
(18) Simple Ear Piercing
(19) Unique Ear Piercing

[1] Industrial Piercing :- इसमें Helix और Forward Helix पर छेद किया जाता है।

[2] Ear Lobe Piercing :- यह एक Commen Piercing है। यह छेद Soft lower Portion पर किया जाता है।

[3] Cartilay Piecacing :- इसमें छेद Cartlog पर किया जाता है। (Helix/Top)

[4] Helix Picacing :→ इसमें छेद Helix पर ही किया जाता है।

(5) Forward Helix Piercing :- इसमें छेद forward Helix पर करते हैं।

(6) Daith Piercing :- इसमें छेद कान के Inner एरिया में किया जाता है। अर्थात Daith पर छेद करते हैं।

(7) Tragus Piercing :- यह सबसे ज्यादा Painfull होता है यह छेद Tragus पर किया जाता है।

(8) Snug Piercing :-
यह रिम के करीब Snug पर दो छेदो में Ring के लिये किये जाते हैं।

(9) Transverse Lobe Piercing - यह एक Traditional Piercing होती है। यह Lower ear पर horizontal Piercing होता है और lower ear के end में छेद करते हैं।

(10) Orbital Piercing :- इसमें दो छेद किये जाते हैं। इसमें special earing designed की जाती है।
vartical lover piercing होती है।

(11) Anti tragus Piercing :- यह कम दर्दनाक होता है। यह lower ear के थोड़े ऊपर soft area में होता है।

(12) Conch Piercing :- यह शंकनुमा बहुमुखु छेद होता है।

(13) Rook Piercing :- यह भी एक Comman Piercing है जो कि Inner ear Cartilage long edge और ear के TOP पर mix and mate.

(14) Top Ear Piercing :- यह versitile Piercing होता है इसमें TOP ear पर Cartilage location पर किया जाता है।

(15) Ear Piercing :- इसमें 3 छेद किये जाते है।

(16) Double ear Piercing :- इसमें 2 छेद होते हैं। 1 Helix और 2 Ear lober area पर किया जाता है।

(17) Full Ear Piercing :- इसमें बहुत सारे छेद किये जाते है Ex.- Helix, forward, Helix, Orbital, Innea lobe etc.

(18) Simple ear Piercing :- इसमें कान के बाहर क्षेत्र पर 3 से 4 छेद किये।

(19) Unique Ear Piercing :- इसमें कान के सभी क्षेत्रों मे छेद किया जाता है। इसे 8 से 10 क्षेत्रों में छेद किये जाते है।